'श्रद्धेय'

परम् पूज्य गुरुजी

के

चरणों में

सादर-समर्पित

डा० रघुराज सिंह
एम०एस–सी०, एम०एड्०, पी–एच०डी०
अध्यक्ष शिक्षा संकाय

हंडिया पोस्ट ग्रेजुएट कालेज,
हंडिया, इलाहाबाद
(पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय जौनपुर)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **श्री विनोद कुमार सिंह वत्स** शोध छात्र शिक्षा संकाय, हंडिया पोस्ट ग्रेजुएट कालेज हंडिया, इलाहाबाद ने पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय जौनपुर की शोध उपाधि हेतु अपना शोध प्रबन्ध शीर्षक ''पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय के नवाचारिक एवं अनवाचारिक अध्यापकों के महत्वाकांक्षा स्तर एवं सृजनात्मकता का तुलनात्मक अध्ययन '' विषय पर मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

दिनांकः 23.10.98

(डॉ० रघुराज सिंह)

प्राचार्य
हंडिया पोस्ट ग्रेजुएट कालेज
हंडिया, इलाहाबाद

–: अनुक्रमणिका :–

अध्याय	विवरण	पृष्ठ संख्या
अध्याय प्रथम	प्रस्तावना	001 – 045
	1. नवाचारों का ज्ञान होना	
	2. रुचि उत्पन्न होना	
	3. मूल्यांकन स्तर	
	4. प्रयास का स्तर	
	5. अंगीकार का स्तर	
	6. नवाचारिक और अनवाचारिक अध्यापक	
	7. महत्वाकांक्षा का स्तर	
	8. सृजनात्मकता	
	9. अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व	
	10. समस्या का कथन	
	11. अध्ययन का उद्देश्य	
	12. परिकल्पना	
	13. क्षेत्र का परिसीमन	
	14. प्रयुक्त शब्दों की परिभाषा	
अध्याय द्वितीय	सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन	046 – 060
अध्याय तृतीय	जनसंख्या एवं न्यादर्श	061 – 076
	प्रदत्त संग्रह	
	शोध के उपकरण	
	(1) नवाचारिक अध्यापक मापनी (शुक्ला)	
	(2) आकांक्षा स्तर संकेत परीक्षण (आंसपरी) शुक्ला	
	(3) नान वर्वल टेस्ट आफ क्रियेटिव थिंकिंग (वाकर मेंहदी)	
अध्याय चतुर्थ	प्रदत्तों का परिणाम, विश्लेषण एवं व्याख्या	077 – 100
अध्याय पञ्चम	सारांश, निष्कर्ष और सुझाव	101 – 125
	परिशिष्ट	126 – 154
	उपकरण	

-*******-

—: आभारोक्ति :—

विज्ञान एवं तकनीकी के विकास ने वर्तमान विश्व को चकाचौंध कर दिया है । मानव इसके ऊपर इस प्रकार निर्भर हो गया है कि इसके बिना सही जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती । मानव का विज्ञान एवं तकनीकी की आवश्यकता तथा उसके उपयोग के सन्दर्भ में बताने का शिक्षा ही एकमात्र और सबल माध्यम है । बदलती परिस्थितियों में एक ओर विज्ञान एवं तकनीकी का विकास हो रहा है, तो दूसरी तरफ हमारे देश में शिक्षा एवं शिक्षा की गुणवत्ता पिछड़ती जा रही है । इसके निराकरण के लिए यह आवश्यक है कि अध्यापकों में नवाचारिकता की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित किया जाय ।

इन्हीं तथ्यों से अभिप्रेरित होकर अनुसंधानकर्ता ने प्रस्तुत शीर्षक **"पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय के नवाचारिक एवं अनवाचारिक अध्यापकों के महत्वाकांक्षा स्तर एवं सृजनात्मकता का तुलनात्मक अध्ययन"** पर शोध कार्य करने का निश्चय किया ।

इस तथ्य की प्राप्ति में जो प्रेरणा एवं अनुभूति हमारे पर्यवेक्षक एवं महान शिक्षाविद् **डॉ0 रघुराज सिंह**, अध्यक्ष शिक्षा संकाय, हंडिया पोस्ट ग्रेजुएट कालेज हंडिया, इलाहाबाद से प्राप्त हुई, उसके लिए शोधकर्ता जीवन पर्यन्त ऋणी रहेगा ।

मैं अपने विभागाध्यक्ष **श्री एस.पी. चन्द** का भी हृदय से आभारी हूँ, जो समय–समय पर इस कार्य के प्रति प्रेरित करते रहे । महाविद्यालय के संस्थापक **माननीय डॉ0 अख्तर हसन रिज़वी**, प्रबन्धक **श्रीयुत् सिराज मेंहदी** एवं कार्यालय अधीक्षक **श्री जरगाम**

हैदर का भी हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ कि जिन्होंने महाविद्यालय में कार्य करने का अवसर प्रदान किया ।

मैं अपने संकाय के गुरुजनों डॉ0 नन्दूलाल चौरसिया, डॉ0 विजय बहादुर सिंह एवं महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के प्रवक्ता डॉ0 विजेन्द्र सिंह, भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ0 अरुण कुमार सिंह, शिक्षा संकाय के प्रवक्ता श्री दिग्विजय सिंह के प्रति हृदय से आभारी हूँ ।

इस लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारे परममित्र एवं सहयोगी सर्व श्री डॉ0 राकेश प्रताप सिंह, डॉ0 दिनेश प्रताप सिंह एवं श्री दिवाकर सिंह, श्री हनुमान सिंह के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने समय – समय पर विषय से सम्बन्धित कठिनाईयों को सुलझाने में अपना अमूल्य योगदान दिया ।

आज जो कुछ मैं हूँ, वह प्रेरणास्रोत पूज्यनीया दादी जी स्व0 श्रीमती गायत्री देवी, पूज्यनीया माता श्रीमती निर्मला सिंह एवं पूज्य पिता श्री राम सागर सिंह, प्रवक्ता भौतिकी, राम चरन सिंह इण्टर कालेज, खनियाँ, सुल्तानपुर के अमिट वात्सल्य का प्रतिफल हूँ । प्रस्तुत शोध–प्रबन्ध उनकी प्रेरणा का ही साकार रूप है । सदैव कर्मयोग के पथ पर चलने का उनका आशीर्वाद ही आज प्रकट रूप में उपस्थित हुआ है ।

वर्तमान अध्ययन की पूर्णता के अवसर पर में अपनी पत्नी श्रीमती सुबोध सिंह, भाई राजेश सिंह वत्स के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिनका सतत् सहयोग

मुझे सदैव मिलता रहा है ।

इस शोध की पूर्णता में हमारे प्रेरणा स्रोत रहे डॉ0 राम सेवक सिंह प्राचार्य, राजा हरपाल सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिंगरामऊ, जौनपुर एवं डॉ0 लाल साहब सिंह अध्यक्ष, शिक्षा संकाय, तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जौनपुर के प्रति आभार प्रदर्शन में मेरी लघुता ही है । मुझे इनका आशीर्वाद एवं मार्ग–दर्शन जीवन पर्यान्त मिलता रहे, यही आकांक्षा रखता हूँ ।

अन्त में शुद्ध व स्वच्छ टंकण हेतु श्री हेमन्त कुमार अष्ठाना व शोध–प्रबन्ध को पूर्ण करने में श्री विनय शंकर मिश्रा, मिश्रा फोटो स्टेट नखास, जौनपुर के प्रति भी आभार प्रकट करता हूँ ।

(विनोद कुमार सिंह वत्स)
प्रवक्ता शिक्षा संकाय
डॉ0 अख्तर हसन रिज़वी शिया डिग्री कालेज
जौनपुर ।